ओम् शान्ति 28-3-12 मधुबन

प्राणप्यारे अव्यक्त बापदादा के अति स्नेही निमित्त टीचर्स बहिनें तथा देश विदेश के सर्व ब्राह्मण कुल भूषण भाई बहिनें,

ईश्वरीय स्नेह सम्पन्न मधुर याद स्वीकार करना जी।

बाद समाचार - हम सबकी अति स्नेही मीठी दादी जानकी जी कुछ तबियत की चेकिंग के लिए अहमदाबाद हॉस्पिटल में हैं। आप सबको दादी ने विशेष याद दी है। एक दो दिन में मधुबन पहुंच जायेंगी। आज अमृतवेले विशेष बापदादा को दादी की याद दी, तो बापदादा ने बड़े प्यार से दादी जी के प्रति जो मधुर महावाक्य उच्चारे, वह सन्देश आपके पास भेज रहे हैं।

सबको बहुत-बहुत याद..

दादी गुल्जार

दादी जानकी जी के प्रति बापदादा का सन्देश - 28-3-12

बापदादा आपको सदा मुबारकें देते हैं। तन की दुआयें भी देते हैं, मन का साथ भी देते हैं और सेवा में साथी भी बनते हैं। ऐसा अनुभव होता है ना! तन की बहुत दुआयें मिलती हैं, यह दुआयें बहुत अच्छी मिल रही हैं। बाकी हिसाब-किताब तो ब्रह्मा बाप ने भी चुक्तू किया, तो सबको करना है। सूली से कांटा हो जाता है। बाकी दुआयें बहुत मिलती हैं - परिवार द्वारा भी और बापदादा द्वारा भी। बापदादा अमृतवेले से लेकर रात तक बहुत दुआओं से मालिश करते रहते हैं। ऐसे अनुभव होता है? आप नहीं चल रही हो, चलाने वाला चला रहा है, इसीलिए अथक है। अच्छा। ओम् शान्ति।